DISHA

Empowerment of Rural Poor Women

Success Stories

पत्नी ने लिया स्वयं सहायता समूह से ऋण लेकर पति को कराया महाजन से मुक्त

श्रीमती मटरी देवी जिनका उम्र लगभग 42 वर्श है ये एकचारी गॉव में रहती है। ये चमार जाति की सदस्या है। इनके इनके 3 बेटा और 2 बेटी है। मटरी देवी की कच्ची मकान है। इनके पति का नाम श्री कामदेव हरिजन है ये मजदुर का काम करते है। मटरी देवी अपने घर गृहणी का काम करती है। इनकी आर्थिक स्थिति बहुत ही दैनिय है।

श्रीमती मटरी देवी कहती हैं की दि ाा संस्था द्वारा एकचारी गॉव में स्वयं सहायता समूह का गठन जब किया जा रहा था तो मैं महिला विकास संगठन समूह की सदस्य बनी। इस समूह की सभी सदस्यों ने 100 रू. प्रति माह बचत करती है।

श्रीमती मटरी देवी कहती है इस समूह में जुड़ने से पहले मेरे पति ने महाजन से 5 रू. प्रति सैकड़ा की दर से कर्ज लिये थे , जो की पिछले 5 साल सिर्फ ब्याज ही दे पाते थे। इससे हम और मेरे पति काफी परे ाान रहते थे। लेकिन जब से समूह का गठन हुआ तो कुछ ही महिनो के बाद मैं अपने समूह की सभी सदस्यों के साथ बैठक की और बैठक में अपना प्रस्ताव रखी की हमे 10000 रू. समूह से कर्ज चाहीये ताकी हम महाजन से छुटकारा पा सकें।

श्रीमती मटरी देवी कहती है की हमारे पति को महाजन मुक्त होने के लिये 10000 रू. की जरूरत थी और पास में पैसे नहीं थे किसी तरह से उसका ब्याज दे सकती थी। इस कारण हमारे पति बहुत परेशान थे की

हम पैसे कहाँ से लायेगं , अगर पैसों की उपाय नहीं हुई तो हम कभी भी आगे नहीं बढ़ पायेंगे। तो मैं श्रीमती मटरी देवी अपने समूह की सदस्यों के साथ बैठक कि और बैठक में अपनी समस्याओं को लेकर सबके सामने प्रस्ताव रखी, और कही की हमे 10000 रू. दिया जाय जिससे की हम महाजन से मुक्त हो सके। तब 10 सितम्बर 2014 को हमारे समूह की सभी सदस्यों ने सोंच विचार कर हमें समूह से 10000 रू. 2 प्रति ात प्रति सैकड़ा ब्याज की दर से ऋण दिये। श्रीमती मटरी देवी ने समूह से 10000 रू. ऋण लेकर अपने पति को दी तब इनके पति ने मुलधन और ब्याज कुल राशिा जोड़कर महाजन को देकरे अपने आप को महाजन से मुक्त किया।

श्रीमती मटरी देवी कहती है की यदि मैं समूह से नहीं जुड़ी रहती तो हमारे पति , हमारे परिवार इतना अच्छा से नहीं रह सकते।

श्रीमती मटरी देवी कहती है की समूह में रहने से हमे बहुत फायदा हुआ हैं इसके लिये मैं दिशा संस्था को धन्यवाद देती हूँ।

लाभार्थी का नाम :– श्रीमती गीता देवी

पति :– श्री विश्णु ठाकुर

घर :– जगरनाथपुर

प्रखण्ड :– महगामा

श्रीमती गीता देवी उम्र लगभग 32 वर्श है। इनके पति का नाम श्री विश्णु ठाकुर है जो की दोनो हाथ से विकलांग है। इनके दो बच्चे है।

यह जगरनाथपुर गॉव के रहने वाले है। श्रीमती गीता देवी कहती है की मैं कोयला चुनकर लाती हूॅ और उसे बेचकर अपना जिवीका चलाती हूॅ। श्रीमती गीता देवी कहती है की जब से मैं समूह से जुड़ी हूॅ तब से हमे फायदा ही फायदा हो रहा है।

जैसे की सबसे पहले समूह की ट्रेनिंग में जाने से दुसरे गॉव की महिलाओं से पहचान हुई तथा नई नई बातों तथा रोजगार, सरकारी योजनाओ की जानकारी हुई। दुसरा फायदा यह हुआ की पैसे की जरूरत पड़ने पर सीधे महाजन के पास जाना पड़ता था और महाजन समय पर पैसा देता भी नहीं था अगर देता था तो उसका ब्याज अधिक देना पड़ता था। लेकिन आज अपने समूह से आसानी पूर्वक पैसे मिल जाते है और ब्याज भी 100रू. का मात्र 2 रू. प्रति माह देनी पड़ती है।

श्रीमती गीता देवी कहती है की समूह में रहने से हमे बहुत लाभ हो रही है। इसके लिये मैं दिशा संस्था को धन्यवाद देती हूॅ।

लाभार्थी का नाम :– श्रीमती सुगंध देवी

पति :– श्री संजय साह

घर :– आर सी टु (बसंत बिहार)

प्रखण्ड :– कहलगॉव

श्रीमती सुगंध देवी जिनका उम्र लगभग 24 वर्श ये आर सी टू गॉव में रहती है। ये पिछड़ी जाति के तेली जाति की सदस्या है। इनके इनके चार बच्चे है 3 लड़का और 1 लड़की सभी बच्चे सरकारी विद्यालय में पढ़ते है। श्रीमती सुगंध देवी के दो फुस की झोपड़ी है, ये गॉव मकान ही मजदूरी करती है। इनके पति का नाम श्री संजय साह है ये एनटीपीसी में मरदूरी करते है। श्रीमती सुगंध देवी के पास अपनी जमीन भी नहीं है। श्रीमती सुगंध देवी की वार्शिक आमदनी 15000 रू. हैं इनकी आर्थिक स्थिति काफी दैनिय है।

श्रीमती सुगंध देवी कहती हैं की दिशा संस्था द्वारा आर सी टू गॉव में स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया तो श्रीमती सुगंध देवी राजमाता महिला विकास संगठन समूह की सदस्य बनी। समूह की सभी सदस्यों ने 100रू. प्रति माह बचत करना भुरू की। पहले कर्ज महाजन से 5रू. प्रति सैकड़ा की दर से लेती थी लेकिन अब समूह बनाने के 5 माह के बाद से ही सदस्यों ने छोटे छोटे घरेलू कार्य के लिए महाजन से कर्ज नहीं लेती है। श्रीमती सुगंध देवी कहती है की आज हमारे समूह की सभी सहलिाओं का बचत रा ि । 1400 रू. प्रति सदस्यों का है।

श्रीमती सुगंध देवी कहती है की हमारे पति का गेटपास बनवाने के लिये कुछ पैसों की जरूरत थी और घर में पैसे नहीं थे इस कारण हमारे पति बहुत चिंतित थे की हम पैसे कहॉ से लाये तो हम अपने समूह की सदस्यों के साथ बैठक किये और बैठक में अपनी समस्या को रखी। तब 14 अगस्त 2014 को हमारे समूह की सभी सदस्यों ने मिलकर हमें समूह से ऋण 1300 रू. दिये। श्रीमती सुगंध देवी ने 1300 रू. ऋण लेकर अपने पति का गेटपास बनवा ली। श्रीमती सुगंध देवी कहती है की यदि

समूह से नहीं जुड़ी रहती तो मेरा का गेटपास नहीं बनना इतना आसान नहीं होता।

श्रीमती सुगंध देवी कहती है की जब से मैं समूह से जुड़ी हूँ तब से हमे कई फायदे हुए है। जैसे की सबसे पहले समूह की ट्रेनिंग में जाने से दुसरे गॉव की महिलाओं से पहचान हुई तथा नई नई बातों तथा रोजगार , सरकारी योजनाओ की जानकारी हुई।

दुसरा फायदा यह हुआ की पैसे की जरूरत पड़ने पर सीधे महाजन के पास जाना पड़ता था और महाजन समय पर पैसा देता भी नहीं था अगर देता था तो उसका ब्याज अधिक देना पड़ता था। लेकिन आज अपने समूह से आसानी पूर्वक पैसे मिल जाते है और ब्याज भी 100रू. का मात्र 2 रू. प्रति माह देनी पड़ती है।

श्रीमती सुगंध देवी कहती है की समूह में रहने से हमे बहुत लाभ हो रही है। इसके लिये मैं दिशा संस्था को धन्यवाद देती हूँ।

लाभार्थी का नाम :– श्रीमती चिना देवी

पति :– श्री निरंजन हरिजन

घर :– एकचारी

पंचायत :– एकचारी

श्रीमती चीना देवी उम्र लगभग 38 वर्श है। इनके पति का नाम श्री निरंजन हरिजन है इनके 7 बच्चे है 6 बेटी और 1 बेटा है। श्रीमती चीना देवी कहती है की मैं ऑगन बाड़ी में सहिका हॅू और मेरे पति विकास मित्र है। मैं एकचारी गॉव में अपने पविार के साथ रहती हुॅ।

समूह से जुड़ने के बाद :–

श्रीमती चीना देवी कहती है की मैं दि ाा संस्था की सहयोग से अपने मोहल्ले की महिलाओं के साथ मिलकर एक समूह बनाई जिसका नाम महिला विकास संगठन रखी , इस समूह में मैं कोशाध्यक्ष के पद पर हॅू। तथा इस समूह के सभी सदस्यों ने प्रति माह 100 रू. बचत राशि जमा करती है। तथा किसी भी सदस्य को विपत्ति पड़ने पर कुल जमा राशि से 2 प्रतिशात ब्याज पर ऋण भी दिया जाता है। जिससे की हम सभी महिलाओं को काफी राहत मिलती है।

समूह से लाभ :– श्रीमती चीना देवी कहती है की हमे अपना खेती बाड़ी नहीं है इसी तरह से मेहनत मजदुरी कर के अपना जिवन यापन कर रही हॅू। हमारी आर्थीक स्थिती ठिक नहीं है। हमारे बेटे की अचानक तबीयत खराब हो गई और हमाते पास पैसे नही थे तब हमने अपने समूह से सभी महिलाओं के साथ बैठक करके 2 प्रतिशात ब्याज पर 2000 रू. कर्ज लिये। इस पैसे को मैं ब्याज और मूलधन जोड़कर धिरे धिरे वापस कर दुंगी।

श्रीमती चीना देवी कहती है कि हमे समूह से अच्छा फायदा हो रहा है। इस कार्य के लिये मैं दिशा संस्था को धन्यवाद देती हॅू।

लाभार्थी का नाम :– श्रीमती निर्मला देवी

पति :– श्री जीतेन्द्र यादव

घर :– एकचारी

पंचायत :– एकचारी

श्रीमती निर्मला देवी उम्र लगभग 48 वर्श है। इनके पति का नाम श्री जीतेन्द्र यादव है जो की एनटीपीसी में मजदुर का काम करते है यह एकचारी गॉव के रहने वाले है यह यादव जाती की सदस्या है। तथा श्रीमती निर्मला देवी अपने घर का काम करती है। साथ ही साथ गाय पालती है।

श्रीमती निर्मला देवी कहती है की मैं जब से अपने टोले के महिलाओं के साथ समूह बनाई और समूह का नाम राधा महिला विकास संगठन रखी। इस समूह में हर माह 100 रू. बचत राशि जमा करती हुॅ। तथा इस समूह का खाता अपने गॉव के यूको बैंक में खुलवायी हुॅ। इस समूह से हम सभी बहनों को यह फायदा हुआ की कम ब्याज पर कर्ज मिल जाती है। श्रीमती निर्मला देवी कहती है की हमारे समूह का बैठक 10 तारीख को हुआ था सभी बहनें बचत राशि जमा कीये। साथ ही साथ हमे 5000/रू. की जरूरत थी। इसलिये की हमे गाय का चारा तथा दाना लेना था। अगर हम यह पैसे महाजन से लेते तो 5000/रू. का 6 प्रति ात की ब्याज दर यानी की 300 रू. प्रतिमाह सिर्फ ब्याज देनी पड़ती और महाजन एक बार में ही पैसा वापस लेता जो की हमारे लिये बहुत बड़ी समस्या होती। लेकीन समूह की बचत राि ा से लेने से हमे 200 रू. का बचत हुआ। क्योंकी समूह में 2 प्रतिशात की दर से ब्याज देना पड़ता है। साथ ही यह भी फायदा है की हम कीस्त के रूप में जितना चाहेंगे ऋण वापस करते जायेगे तो ब्याज भी कमते जायेगा।

दुसरा फायदा यह है की जो भी सरकार द्वारा योजना आती है। वह भी बैठक में बताया जाता है। जैसे की बैठक में भौचालय निर्माण की बात बताया गया। इसलिये समूह से हमे फायदा हो रहा है।इस कार्य के लिये मैं दिशा संस्था को धन्यवाद देती हूॅ।

लाभार्थी का नाम :– श्रीमती इन्द्रा देवी

पति :– श्री हरिलाल महलदार

घर :– एकचारी

पंचायत :– एकचारी

श्रीमती इन्द्रा देवी उम्र लगभग 50 वर्श है। इनके पति का नाम श्री हरिलाल महलदार है इनके 5 बच्चे है और यह मछुवारा जाती की सदस्या है। इसका पेशा मछली पकड़ कर बेचना है। इसी आमदनी से ये अपना परिवार का भरन पोशण करते है। यह एकचारी गॉव में अपने पविार के साथ रहते है। तथा श्रीमती इन्द्रा देवी अपने घर का काम करती है।

समूह से जुड़ने के बाद :– श्रीमती इन्द्रा देवी कहती है की मैं दिशा संस्था की सहयोग से अपने टोले की महिलाओं के साथ समूह में जुड़ी। इस समूह में सभी महिलायें प्रति माह 100 रू. बचत राशि जमा करती है। तथा किसी भी सदस्य को जरूरत पड़ने पर जमा राशि से 2 प्रति ात ब्याज पर ऋण भी दिया जाता है। जिससे की काफी राहत मिलती है।

समूह से लाभ :–श्रीमती इन्द्रा देवी कहती है की हम लोगो की मछली पकड़ना पेशा है लेकीन उसके लिए भी पुॅजी की जरूरत है क्योंकी हमारे पास एक नाव थी जो की चोरी हो गयी है। नाव नहीं रहने के कारण हमारे पति और मेरा बेटा घर में बैठे रहते है। क्योंकी नाव के सहारे जाल खेला जाता है। और दुसरा काम ये करते नहीं है। इस स्थिती में तब हमने अपने समूह की बैठक में नाव खरीदने के लिये प्रस्ताव रखी की हमे अभी 20000 रू. कर्ज चाहीये और मैं ब्याज और मूलधन जोड़कर धिरे धिरे वापस कर दुंगी।

श्रीमती इन्द्रा देवी के प्रस्ताव को जरूरी समझते हुए नाव बनवाने के लिये बीस हजार रू. नहीं देकर दस हजार रू. देने की निर्णय समूह की सभी सदस्यों ने दी। श्रीमती इन्द्रा देवी को 10000 रू. समूह से मिली। श्रीमती इन्द्रा देवी कहती है कि हमे समूह से अच्छा फायदा हो रहा है। इस कार्य के लिये मैं दिशा संस्था को धन्यवाद देती हूॅ।

लाभार्थी का नाम :– श्रीमती रिंकु देवी

पति :– श्री बॉके दास

घर :– आलमपुर

श्रीमती रिंकु देवी उम्र लगभग 21 वर्श है। इनके पति श्री बॉके दास है ये राजमिस्त्री का काम करते है। यह आलमपुर गॉव की रहने वाली है यह चमार जाती की सदस्या है। तथा श्रीमती रिंकु देवी अपने घर का काम करती है। रिंकु देवी को चार बच्चे है।

श्रीमती रिंकु देवी कहती है की मैं जब से समूह से जुड़ी हुॅ , हमे बहुत फायदा हुआ मैं अपने सूह में हर माह 50 रू. बचत रा ि ा जमा करती हुॅ।और कोई भी सदस्य को पैसे का जरूरत पड़ने पर समूह से ब्याज पर पैसे देन लेन भी होती है।

जून माह में हमे 2000 रू. की जरूरत पड़ी क्योंकी बच्चों का स्कूल फी देना था। पैसों के लिये हमारे पति चिंतीत थे की कैसे होगा। मैंने उन्हे समझाया की मैं अपने समूह से पैसा लाती हूॅ आप चिन्ता ना करें। तब मैं समूह के अध्यक्ष , सचिव से मिली और बैठक करवायें बैठक में अपना प्रस्ताव दिये हमारी प्रस्ताव को पारित करते हुए समूह हमे 2000 रू. दे दिये। और समूह की अध्यक्ष , सचिव , कोशाध्यक्ष सब बोली की आपको यह पैसे 2 प्रतिशत ब्याज की दर से देना होगा। तो रिंकु देवी बोली ठिक है हम देंगे।

इस कार्य के लिये मैं अपनी ओर से यह कहना चाहती हुॅ की पुरूश हो या महिलायें हो उसे समूह से जुड़ कर रहना चाहीये। क्योंकी वह समूह में छोटी छोटी बचत राशि जमा करेगा तो वह अपने आपको कमजोर नही समझेगा।

इस तरह की कार्यक्रम चलाकर लोगों में जागरूकता लाने वाले दिशा संस्था को अपने ओर से अभार व्यक्त करती हूॅ।

लाभार्थी का नाम :– श्रीमती रीता देवी

पति :– श्री वकील साह

घर :– आर सी टू

श्रीमती रीता देवी जिनका उम्र लगभग 42 वर्श ये आर सी टू गॉव में रहती है।ये पिछड़ी जाति के तेली जाति की सदस्या है। इनके इनके चार बच्चे है 3 लड़का और 1 लड़की सभी बच्चे सरकारी विद्यालय में पढ़ते है। श्रीमती रीता देवी के दो फुस की झोपड़ी है, ये गॉव मकान ही मजदूरी करती है। इनके पति का नाम श्री वकील साह है ये मरदूरी करते है। श्रीमती रीता देवी के पास 10 कट्ठा जमीन है। वह चार वर्श पूर्व जमीन ग्रीवी महाजन के पास रखा दी है। श्रीमती रीता देवी की वार्शिक आमदनी 15000 रू. हैं इनकी आर्थिक स्थिति काफी दैनिय है।

दिशा संस्था द्वारा आर सी टू गॉव में स्वयं सहायता समूह का गठन किया गया तो श्रीमती रीता देवी राजमाता महिला विकास संगठन समूह की सदस्य बनी। समूह की सभी सदस्यों ने 50रू. प्रति माह बचत करना भुरू की।पहले कर्ज महाजन से 5रू. प्रति सैकड़ा की दर से लेती थी लेकिन समूह बनाने के 5 माह के बाद से ही सदस्य छोटे छोटे घरेलू कार्य के लिए महाजन से कर्ज नहीं लेती है। श्रीमती रीता देवी अपने समूह के सदस्यों के साथ बैठक में अपनी समस्या को रखी सभी सदस्यों ने उसे समूह से ऋण लेकर ग्रीवी जमीन छुड़ाने का सलाह दी श्रीमती रीता देवी ने 4000 रू. ऋण लेकर अपनी जमीन महाजन से छुड़ा ली है। अ बवह अपने से खेती करेगी।

श्रीमती रीता देवी कहती है की यदि समूह से नहीं जुड़ती तो मेरा जमीन महाजन के पास ही रहता क्योंकी हमारे पास 4000 रू. एक बार नहीं हो रहा था जिसके कारण 4 वर्श पूर्व से हमारी जमीन महाजन के पास बंधक रखा हुआ था। श्रीमती रीता देवी कहती है की मैं समूह से जुड़कर काफी खु ा हुॅ और समूह में जुड़ने से काफी फायदा समझ में आती है। श्रीमती रीता देवी कहती है अब मुझे खेती से 6 माह का अनाज होगा तो इससे घर चलेगा तथा कमाई का पैसा बचत राशी में जमा करूॅगी।

लाभार्थी का नाम :– श्रीमती सिता देवी

पति :– श्री चमकलाल दास

घर :– आलमपुर

पंचायत :– महे ाामुण्डा

श्रीमती सिता देवी उम्र लगभग 27 वर्श है। इनके पति का नाम चमकलाल दास है जो की भाहर में जाकर राजमिस्त्रि का काम करते है यह आलमपुर का रहने वाला है यह दलित समूदाय की हरिजन जाती की सदस्या है। इनके दो बेटी और दो बेटा है। श्रीमती सिता देवी अपने पविार की देख रेख करते है। श्रीमती सिता देवी कहती है की मैं अपने मोहल्ले की महिलाओं के साथ दिशा संस्था की सहयोग से बनाई गई समूह से जुड़ी। इस समूह में कुल 13 सदस्य है। हम लोग हर माह 50रू. बचत जमा करती हूॅ।

समूह में जुड़ने से लाभ :– समूह में जुड़ने से लाभ के बारे में कहती है की इस वर्श जुन माह में हमने विचार बनाई की धान की खेती करेंगे इसके लिये 1 बिघा जमिन ठेका पर 1 साल के लिये 6000 रू. में लिये और धान लगाने के लिये पुॅजी की जरूरत पड़ी तो समूह से मैं 4500 रू. कर्ज मॉगी उस समय समूह में पैसे कम थे मैं नहीं ली और लेवर ग्रीवी रखकर धान की खेती कर ली और यह बात अपने समूह में बताई तो समूह की महिलायें यह बात सुनने के बाद यह निर्णय ली की सिता देवी को जेवर छुड़ाने के लिये समूह से 5000 रू. दिया जाय की ताकी सिता देवी को महाजन से मुक्ती मिल सके।

श्रीमती सिता देवी कहती है की समूह में रहने से हम अपने आप को बहुत मजबुत समझ रही हुॅ। क्योंकि मैं समूह हर समय मदद करने के लिये तैयार रहती हैं। अगर मैं समूह में नहीं रहती तो चाह के भी धान की खेती नहीं कर पाती, अगर खेती करती तो मेरी जेवर बिक जाती। लेकीन समूह की सहयोग से खेती भी हो गई और जेवर भी बच गई। इस कार्य के लिये मैं दिशा संस्था को धन्यवाद देती हूॅ।

पत्नी ने लिया स्वयं सहायता समूह से ऋण, पति को बनाया स्वावलम्बी

सहनाज बीबी जिनका उम्र लगभग 31 वर्श है ये एकचारी गॉव में रहती है। ये मूस्लीम जाति की सदस्या है। इनके इनके तीन बच्चे है। सहनाज बीबी की कच्ची मकान है। इनके पति का नाम मो. रहीम मंसुरी है इसका अपना मुर्गो का दुकान है। सहनाज बीबी अपने घर का काम करती है। इनकी आर्थिक स्थिति बहुत ही दैनिय है।

सहनाज बीबी कहती हैं की दिशा संस्था द्वारा एकचारी गॉव में स्वयं सहायता समूह का गठन जब किया जा रहा था तो मैं नाज स्वयं सहायता समूह की सदस्य बनी। इस समूह की सभी सदस्यों ने 100 रू. प्रति माह बचत करती है। पहले कर्ज महाजन से 5 रू., 10 रू. प्रति सैकड़ा की दर से लेती थी , लेकिन अब समूह का गठन होने के बाद से सभी सदस्यों ने छोटे छोटे घरेलू कार्य करने के लिए समूह से ऋण लेती हैं, महाजन से कर्ज नहीं लेती है। अब महिलायें धीरे – धीरे महाजन से मूक्त हो रही है।

सहनाज बीबी कहती है की की हमारे पति मूर्गी का दुकान खोलने के लिये 5000 रू. की जरूरत थी और पास में पैसे नहीं थे इस कारण हमारे पति बहुत परे ाान थे की हम पैसे कहाँ से लायेगें, अगर पैसों की उपाय नहीं हुई तो हम दुकान नहीं खोल पायेंगे। तो मैं सहनाज बीबी अपने समूह की सदस्यों के साथ बैठक कि और बैठक में अपनी

समस्याओं को लेकर सबके सामने प्रस्ताव रखी, और कही की हमे 5000 रू. दिया जाय जिससे की हमारे पति मूर्गी का दुकान खोल सके। तब 12 सितम्बर 2014 को हमारे समूह की सभी सदस्यों ने सोंच विचार कर हमें समूह से 5000 रू. ऋण दिये। सहनाज बीबी ने समूह से 5000 रू. ऋण लेकर अपने पति को दी तब इनके पति मो. रहीम मंसुरी ने मूर्गीयों का दुकान खोले।

सहनाज बीबी कहती है की यदि मैं समूह से नहीं जुड़ी रहती तो हमारे पति, हमारे परिवार इतना अच्छा से नहीं रह सकते। और न ही दुकान खोल पाते।

सहनाज बीबी कहती है की समूह में रहने से हमे बहुत फायदा हुआ हैं अगर आज मैं अच्छा से जीवन यापन कर रही हुँ तो इसका वजह यह समूह, दिशा संस्था हैं।

इसके लिये मैं दिशा संस्था को धन्यवाद देती हूँ।

लाभार्थी का नामः–श्रीमती निगार प्रवीण

पति :– स्व. नूर आलम

घर :– आलमपुर

पंचायत :– महेशामुण्डा

प्रखण्ड :– कहलगॉव

श्रीमती निगार प्रवीण उम्र लगभग 35 वर्श है। इनके पति का नाम स्व. नूर आलम है। यह आलमपुर की रहने वाली है यह दलित समूदाय की मूस्लिम जाती की सदस्या है। इनके दो बेटी और एक बेटा है। श्रीमती निगार प्रविण अपने पविार की भरण पोशण खुद करती है।

जिने का भााधन :– श्रीमती निगार प्रवीण कहती है की मेरे पास मात्र 10 कट्ठा जमीन है उसी जमीन में मिर्ची , गेंहुॅ का खेती करती हुॅ और अलग से कोई इनकम नहीं है। मैं थोड़ी पढ़ी लिखी थी तो स्वास्थ्य विभाग के अन्तर्गत पोलीयो अभियान में दवा पिलाने का काम करती हुॅ। इस काम को करने से थोड़ा बहुत आमदनी होती है तो उससे परिवार का भरण पोशण करने में मदद मिल जाती है।

समूह के सम्बन्ध में विचार :– श्रीमती निगार प्रवीण कहती है की समूह बनाना और समूह को चलाने में हमे बहुत अच्छा लगता है। समूह में रहने से आदमी कभी भी अपने आप को अकेला और कमजोर नहीं होता है। क्योंकि मैं जिस तरह का अनुभव कर रही हुॅ। आज हमें समूह में जुड़ने से 13 माह हो गई समूह का खाता भी खुल गया तथा घर का सारा काम करते हुए 1000 रू. बचत भी कर ली।

समूह से लाभ :– इसके सम्बन्ध में श्रीमती निगार प्रवीण कहती है की जब से हम समूह से जुड़ी तब से हमे समूह की माध्यम से सहयोग भी मिला साथ ही साथ मैं दिशा कि माध्यम से आर सी टू एवं अपने गॉव में जड़ी कढ़ाई सीखाने के लिये मान दे रा ा दी तो भी हमे लाभ हुआ साथ ही साथ समूह की ही सहयोग से मैं अपने बेटे को एनटीपीसी के डी ए भी स्कुल में पढ़ा रही हुॅ। क्योंकि समय पर घर में पैसा नहीं होता है तो समूह से लेकर स्कूल का फि भर देती हुॅ। और थोड़ा थोड़ा करके

दे देती हुॅ। अगर समूह सहयोग नहीं करती तो ऐसा भी हो सकता था की अपने बेटे को स्कुल से निकालना पड़ता।

सिखने का मौका :– श्रीमती निगार प्रवीण कहती है की दि ाा संस्था ने महिलाओं को जागरूक करने के लिये कई बार समूह की महिलाओं को प्रि ाक्षण दिया और मैं भी प्रि ाक्षण में गयी जहॉ पर 7 गॉवों की महिलाओं से मिली और पहचान बढ़ी आज कोई भी आसपास के गॉव में जाती हुॅ तो कोई ना कोई महिलायें मिल जाती है और अच्छे से बात चित होती है।

प्रशिक्षण में समूह के बारे में तो अच्छी जानकारी मिली साथ ही पंचायती राज्य क्या है तथा इसके किया कार्य है। साथ ही ग्राम सभा के बारे में जानकारी मिली और मैं अपने समूह की महिलाओं को साथ लेकर ग्राम सभा में जाती हुॅ। और अपना प्रस्ताव भी रखती हुॅ। इस लिये मैं अपने ओर से दिशा संस्था एवं समूह की साथी बहनो को धन्यवाद देती हुॅ।

नामः श्रीमती ममता देवी

उम्र : 28वर्ष

गाँव का नाम : ओगरी

पति का नामः श्री देवेन्द्र यादव

लाभार्थी का संक्षिप्त विवरणः–

श्रीमती ममता देवी जिनका उम्र लगभग 28 वर्ष है ये ओगरी गॉव में रहती है। ये गवाला जाति के यादव समुदाय की सदस्या है। श्रीमती ममता देवी के इनके 4 बच्चे हैं। श्रीमती ममता देवी साक्षर है। ये घर का काम करती हैं। इनके पति श्री देवेन्द्र यादव खेती – बाड़ी का काम करते हैं।

श्रीमती ममता देवी कहती है की दिशा संस्था की सहयोग से समुह में से जुड़ी और हर माह 150रू. प्रती माह बचत करती हुॅ। तथा मेरे समुह में कुल 13 सदस्य है। मैं जब समुह में जुड़ी थी उस समय मैं अपना नाम तक नहीं लिखना जानती थी लेकीन अब दिशा संस्था की सहयोग से मैं अपना नाम पति का नाम और पुरा पता लिखने पढ़ने के लिए सीख गयी।

और पहले छोटी छोटी रकम की जरूरत पड़ती थी तो महाजन के पास जाना पड़ता था। लेकीन अब जरूरत पड़ने पर समूह में बैठक होती है तो उस बैठक में अपना बात रखती हुॅ और उस समूह के सदस्यो से निर्णय लेकर रूपये लेती हुॅ जिसके लिए ब्याज भी कम देनी पड़ती है।उसमे भी मेरा हक है लेकीन महाजन के पास ब्याज देती थी।लेकीन अब मैं बहुत खुश हुॅ।अतः मैं अपनी ओर से दिशा संस्था को धन्यवाद देती हुॅ।

नामः श्रीमती मनोरमा देवी

उम्र : 28वर्ष

गाँव का नाम : ओगरी

पति का नामः श्री चन्द्रदिप यादव

लाभार्थी का संक्षिप्त विवरणः–

श्रीमती मनोरमा देवी जिनका उम्र लगभग 40वर्ष है ये ओगरी गॉव में रहती है। ये गवाला जाति के यादव समुदाय की सदस्या है। श्रीमती मनोरमा देवी के इनके दो बेटे हैं ,दोनो बेटे अखबार बेचते है। श्रीमती मनोरमा देवी साक्षर है। ये घर का काम करती हैं। इनके पति का नाम श्री चन्द्रदिप यादव है जो एनटीपीसी में मजदुर का काम करते है। इसी आमदनी से इनके परिवार का भरन पोषण होता है।

श्रीमती मनोरमा देवी अपने बारे में बताती है की दिशा संस्था से जुड़ने के बाद प्रशिक्षण में जाने से बहुत सी बातो की जानकारी मिली।जिससे की हम काफी ग्रुप चलाने का अनुभव हुआ। तथा हर माह बचत राशी 100रू. बचत करती हुॅ। तथा मेरे समुह में कुल 13 सदस्य है। और पहले छोटी छोटी रकम की जरूरत पड़ती थी तो महाजन के पास जाना पड़ता था।

लेकीन अब जरूरत पड़ने पर समूह में बैठक होती है तो उस बैठक में अपना बात रखती हुॅ और उस समूह के सदस्यो से निर्णय लेकर रूपये लेती हुॅ जिसके लिए ब्याज भी कम देनी पड़ती है।उसमे भी मेरा हक है लेकीन महाजन के पास ब्याज देती थी।उस पैसे में मेरी हक नहीं होती थी।लेकीन अब मैं ग्रुप में जुड़कर बहुत खुश हुॅ। अतःए मैं अपनी ओर से दिशा संस्था को धन्यवाद देती हुॅ।

नाम मीरा देवी

पति का नाम कपिल देव पासवान

गाँव आर सी वन

प्रखण्ड कहलगाँव

श्रीमती मीरा देवी जो आर सी वन की रहने वाली महिला है इनके पति का नाम कपिल देव पासवान है जो एनटीपीसी मे काम करते है जिसकी मासिक आय 4700 रूपये लगभग है श्रीमती मीरा देवी कहती है कि हम दिशा के कार्यक्रम से जुडे तथा हर माह बचत करते है तथा दिशा संस्था के माध्यम से हमें सिलाई का प्रशिक्षण भी ले रहे है। हमे बहुत सारी चिजों कि जानकारी भी मिली। हम लोग धर गॉव से निकल कर कुछ करना चाहते है। हमलोग गाय पालन करना विचार कर रहे है। प्रखण्ड जा कर मनरेगा के ऑफिस भी गये है ।

नाम : श्रीमती पुनम देवी

पति का नाम : प्रकाश महलदार

उम्र : 28 वर्ष

गाँव का नाम : ओगरी

श्रीमती पुनम देवी जिनका उम्र लगभग 28 वर्ष है जो की ओगरी गॉव में रहती है।इनके पति का नाम प्रकाश महलदार है।इनके 4 बच्चे है।श्रीमती पुनम देवी साक्षर है,ये अपना नाम,पता स्वंय लिख लेती है।ये घर में थोड़ा गृहणी का काम करती है। इनका कच्ची खपड़ैल मकान है।इनके पति खेतीहर मजदूर का काम करते है।इसी से इनके परिवार का भरण पोषण होते है। श्रीमती पुनम देवी बताती है की जब से हम दिशा संस्था के द्वारा बनाए गए स्वंय सहायता समूह ग्रुप से जुड़ने पर हममे काफी बदलाव आया है। तथा ग्रुप में बचत राशी जमा कर तही हुॅ।और बैठक के में महिलाओं के साथ बैठक कर समाज के विकास चर्चा करती हुॅ। तथा दिशा की मदद से आज मैं अपना नाम ,पति का नाम ,पती सब लिखने को सिखा गये। इसके लिए दिशा संस्था को धन्यवाद देती हूॅ।

नाम : श्रीमती नीलम देवी

पति का नाम : अवधेश दास

उम्र : 35 वर्ष

गाँव का नाम : आलमपुर

श्रीमती नीलम देवी ग्राम आलमपुर की रहने वाली है इनके पति का नाम अवधेश दास है।जो की राजमीस्त्री का काम करते है।इनके 9 बच्चे है जीसमे देवी से 5 और उसके पहले वाली से 4 बच्चे है।नीलम देवी कहती है की मैं सभी बच्चो को बराबर मानती हूँ सौतेली व्यवहार नही करती।

नीलम देवी कहती है की मैं अपने गॉव में दिशा संस्था के सहयोग से समूह में सामिल हूई और मेरे समूह कका नाम गुलाब महिला विकास संगठन आलमपुर रखा गया। और ग्रुप में हम सदस्य हूँ।हमलोग प्रति माह 50 रू. जमा करती हूँ।तथा मैं ग्रुप में इस लिए जूड़ी की ग्रुप में रहने से आर्थिक और समाजिक दोनो मदद होगा। तथा ऐसा हो भी रहा है।

नीलम देवी कहती है की जब मैं ग्रुप में नही थी तो केवल घर से मतलब रहता था और अब पुरे गॉव की महिलाओ से बात चित होती है।

और दिशा संस्था द्वारा नये नये चिजो की जानकारी के लिए तरह तरह के प्रशिक्षण भी दिलाए जाते है तो मैं उसमे जाती हुँ तो बहुत सी जानकारी मिलती है।मैं उस जानकारी के लिए दिशा संस्था का आभरी हुँ।

नामः श्रीमती पुनम देवी

पति का नाम : रूपेश कुमार मेहतर

गाँव का नाम : एकचारी

अंचलः कहलगॉव

श्रीमती पुनम देवी जिनका उम्र लगभग 22 वर्ष है ये एकचारी ग्राम में रहती है। ये महादलीत समूह के मेहतर जाति की सदस्या है। श्रीमती पुनम देवी साक्षर हैं। इनके कच्ची मकान जिसमे अपने परिवार के साथ रहती है। इनके पति रूपेश कुमार मेहतर है जो मजदुरी करके अपने बच्चो का पालन पोषण करते है। श्रीमती पुनम देवी के पास अपनी खेतीहर जमिन नही है।श्रीमती पुनम देवी की आर्थिक स्थिती काफी दैनिय है।

दिशा संस्था दृरा एकचारी गॉव में स्वयं सहायता समुह गढ़न करने का का कार्य शुरू किया गया तो श्रीमती पुनम देवी दिशा संस्था दृरा एकचारी गॉव में स्वयं सहायता समुह के बैठक में भाग ली तथा समुह के बारे में समझी तथा इसके क्या लाभ होगा इसके बारे में भी समझी इसके बाद वह स्वयं अपने टोले में एक समुह बनाई जिसमे 13 सदस्य है।अपने समूह का विषहरी महिला विकाश संगठन रखी है। श्रीमती पुनम देवी उस ग्रुप की सदस्या है।

श्रीमती पुनम देवी पहले कभी स्वयं सहायता समुह के बारे में नहीं सुनी थी ।इसके कारण उसे विश्वाश नहीं हो रहा था । जब उनके समुह का बचत खाता खुलवाने के लिए यूको बैंक एकचारी शाखा में ले गया तो उन्हे विश्वाश हुआ की समूह से काफी फायदा है।

श्रीमती पुनम देवी यह करती है कि समुह से काफी लाभ हुआ समूह के बचत राशी से रोजगार करूँगी इसके लिए अभी से योजना तैयार कर रही हुँ। पहले की अपेक्षा मेरे अंदर में काफी बदलाव हो गया है।पहले मैं घर करने के अलावे कुछ नही सोच पाती थी ।लेकीन जब से मैं समुह में जूड़ी हुँ तथा प्रशिक्षण प्राप्त की हुँ तब से मैं अपने अधिकार के बारे में जानने लगी हुँ।समुह में जूड़ने के बाद मैं अपनी नाम तथा पति का नाम लिखने और पढ़ने के लिए सिख गई हुँ।इसके लिए मैं दिशा संस्था को धन्यवाद देती हुँ।

नामः श्रीमती पुतूल देवी

उम्र : 30

पति का नामः श्री अशोक पासवान

गाँव का नाम : इन्दिरा आवास

लाभार्थी का संक्षिप्त विवरणः–

श्रीमती पुतूल देवी जिनका उम्र लगभग 30 वर्श है ये इन्दिरा आवास आर सी0 वन गॉव में रहती है। ये दलित जाति की दुसाध जाति के सदस्या है। श्रीमती पुतूल देवी के ईट के दो कमरे है इनके दो बच्चे हैं। दोनो बच्चे छोटे हैं एक लड़का प्रथम वर्ग में पढता है। श्रीमती पुतूल देवी आठवी कक्षा तक पढी लिखी है। ये घर में ही सिलाई का काम करती हैं खेती नही है। पति श्री अशोक पासवान एन टी0 पी0 सी0 में अस्थाई रू‍प से काम करते हैं इनकी आमदनी लगभग 39000 हजार रूपये वा‍ि‍क है।

दिशा संस्था द्वारा आर सी0 वन में स्वयं सहायता समुह का गठन कियां श्रीमती पुतूल देवी समुह में जुड़ी है उन्होनें अपने समुह का सचिव हैं पुतूल देवी दिशा के कार्यकताओं को गॉव में समुह बनाने में काफी मदद की तथा गॉव की महिलाओं को स्वंय सहायता समुह से क्या लाभ है इसके बारे में समझाती है अभी वह अपने समुह का बचत खाता इलाहाबाद बैंक में खुलाने के लिए बैंक प्रबंधक से मिली है।

वह यह कहती है कि समुह से हमलोगों को काफी लाभ मिलेगा क्योंकि छोटे छोटे काम के लिए समुह के बचत राशिा से काम करेगे इससे यह लाभ होगा कि महाजन के पास नही जाना पड़ेगा।

नामः श्रीमती राधा देवी

पति का नामः श्री अमरजीत दास

गाँव का नाम – आर सी वन

अंचलः कहलगॉव

श्रीमती राधा देवी जिनका उम्र लगभग 25 वर्ष है। ये आर सी वन गॉव में रहती है। ये दलित समुदाय के मुसहर जाति के महिलायें है।श्रीमती सोनी देवी साक्षर हैं। इनके पती का नाम श्री गनौरी मुसहर है जो एनटीपीसी प्लांट ठिकदार के अंदर काम करता है जो की 192रू. रोज के हिसाब से मजदुरी मिलता है। ईसी आमदनी से इनके परिवार का पालन पोषण होता है। ये श्रीमती रीधा देवी कहती है की हम लोग जिस जमीन पर बसे है वह एनटीपीसी का है। उसी जमीन में बॉस फुस का मकान में रहती हुॅ। राधा देवी कहती है की जब से चम्पा महिला विकास संगठन से जुड़ी हुॅ तो हमे बहुत फायदा हुआ। सबसे पहले तो मैं दिशा संस्था की सहयोग से अपना नाम लीखने सिख गयी ,जो की पहले मैं टिपा लगाती थी।

ग्रुप से हमे यह भी फायदे हुआ की प्रशिक्षण में गयी तो बहुत से नई–नई बातें सीखने को मिली जो की मैं नहीं जानती थी , खस कर सरकार द्वारा जो गरीबों के लिए जो योजना आती है तो उसकी जानकारी मिलती है। ग्रुप में जुड़ने लेन देन का सुवीधा भी मिला मैं कभी कभी छोटी सी रकम के लिए मुहताज होती थी आज मैं अपने ग्रुप से प्रस्ताव देकर लेती हुॅ।अभी इसी माह में हमे 3000 रू. का जरूरत हुआ तो मैं अपने समूह में बैठक में कही और हमे पैसा मिल गया तथा ब्याज भी बहुत कम 2 रू. सैकड़ा के हिसाब से ही देना होगा इस लिए ग्रुप में जुड़ना चाहिये तथा बचत कर महाजन से मुक्ती पाया जा सकता है।

नाम : श्रीमती रीता देवी

पति का नाम : जयप्रकाश यादव

उम्र : 35 वर्ष

गाँव का नाम : एकचारी

यह कहानी ग्राम एकचारी की रहने वाली कृष्णा स्वंय सहायता समूह एकचारी की श्रीमती रीता देवी के विचार पर आधारीत है। श्रीमती रीता देवी अपने टोले में दिशा द्वारा बताए गए कार्यक्रम के बारे में सभी को बताई और बैठक करवायी बैठक में 12 महिलाऐ भाग ली और समूह का गठन हुआ।समूह में 12 सदस्य सदस्यता ग्रहण की।

श्रीमती रीता देवी यह कहती है की हम दो माह से समूह में जूड़े है और हमारे टोले की भी महिलाये जूड़ी हैं तो इससे हमलोगो में काफी बदलाव आया है जो इस प्रकार है।

- टापस में एकता बना।
- एक जगह बैठकर बात करने का मौका मिला।
- समूह से बचत करने की आदत बनी।
- सरकारी योजना के बारे में जानकारी मिली।
- कई अच्छे अच्छे लोगो से पहचान बढ़ा।
- बैंक में जाने का अवसर मिला ।
- पंचायत प्रतिनीधी के पास जाने का अवसर मिला।

श्रीमती रीता देवी ने यह भी कही की समूह में जूड़ना बहुत जरूरी है। समूह में जूड़ने से हमे बहुत फायदा हुआ इससे मैं बहुत खुश हुॅ , क्योकी पहले मैं केवल अपने काम से मतलब रखती थी लेकीन अब हम सभी समूदाय अस्तर पर बात करते है। इस लिए समूह की ओर से दिशा संस्था को धन्यवाद देती हुॅ।

नाम : श्रीमती शांति देवी

पति का नाम : प्रमोद यादव

उम्र : 23 वर्ष

गाँव का नाम : ओगरी

शिक्षा : तीसरी कक्षा

श्रीमती शांति देवी ग्राम ओगरी की रहने वाली है इनके पति का नाम प्रमोद यादव है।जो की यादव जाती के सदस्या है। इनके मिट्टी के दो कमरे है,इनके पति प्रमोद यादव है। श्रीमती शांति देवी के 10 कट्ठा अपना खेती है और ये मजदुरी करती है।इनके पति प्रमोद यादव एनटीपीसी में दैनिक मजदुरी करते है।इनके वार्षिक आय लगभग 25000 रू. है।

श्रीमती शांति देवी दिशा द्वारा बनाये गये स्वंय सहायता समूह के सदस्या है।वे अपने समूह की बैठक में नियमित बचत जमा कर रही है।वे यह कहती है की पहले हम बचत करने नहीं जानती थी।लेकिन दिशा संस्था द्वारा जब प्रशिक्षण दिया गया तो उसके बाद से हमे आगे बढ़ने का रास्ता मिल गया।अब मैं कर्ज नहीं लेती हुॅ ,समूह से कर्ज 1200 रू. ली हुॅ।

उससे मैं अपने मवेशी बॉधने के लिए एक गौशाला बनाई हुॅ।इसके लिए पहले मैं महाजन से कर्ज लेती थी तथा ब्याज अधिक देना पढ़ता था।लेकिन समूह में 2 रू. सैकड़ा ब्याज पर मिलता है।समूह में जुड़ने से काफी लाभ मिल रहा है।समूह की बचत राशी से बड़ा रोजगार भी कर सकती हुॅ।अब मैं दो गाय पाल रही हुॅ। धिरे धिरे दुध का रोजगार करूॅगी।इससे मुझे काफी लाभ मिल रहा है।

नामः श्रीमती सरला देवी

पिता का नामः श्री आशोक मंडल

अंचलः कहलगॉव

गाँव का नाम ओगरी

श्रीमती सरला देवी जिनका उम्र लगभग 35 वर्ष है। ये ओगरी ग्राम में रहते है। ये पिछडा जाति के कोयरी जाति की सदस्या है। श्रीमती सरला देवी इनटर पास हैं इनके दो बच्चे दोनो प्राईवेट स्कुल में पढते है ये आशा का काम करती है इनके पति श्री आशोक मंडल एन टी0 पी0 सी0 मे दैनिक मजदुरी करते है। सरला देवी के पक्के के मकान में रहती है, इनकी खेती बहुत कम है श्रीमती सरला देवी के वार्षिक आमदनी लगभग 38000 हजार रूपये वार्षिक है।

दिशा संस्था ओगरी गॉव में स्वयं सहायता समुह गढ़न करने के लिए काम ुरू किया उसी समय गॉव में महिलाओं के साथ बैठक में सरला देवी आई बैठक में स्वयं सहायता समुह के बारे में समझी इसके बाद वह अपने घर जाकर राय की। दुसरे बैठक में पुनः आई और समुह में सामिल होने के लिए अपने टोले से दुसरे महिलाओं को भी प्रेरित की समुह में जूडने के बाद अपने समूह का अध्यक्ष है अपने **समुह का नाम भगवती महिला विकास संगठन** ओगरी रखी है।

श्रीमती सरला देवी यह करती है समूह में जूडने से मुझे काफी लाभ होगा क्योंकि पहले बचत नहीं करती थी अब प्रत्येक माह 50 रूपये बचत करेगी जिससे भविष्य में काम आयेगा वह स्वास्थ्य प्रशिक्षण में प्रशिक्षण प्राप्त की हैं।तथा दिशा संस्था के द्वारा उन्हें गॉव में महिलाओं को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए दायित्व भी दिया गया हैं । वह स्वंय कहती है कि जितना में पहले आशा के रूप में नही जानती थी उतना में स्वास्थ्य के बारे में 5 दिनो के प्रशिक्षण से जानकरी मिली है।

ठससे वह काफी खुश है तथा गॉव की दुसरी महिलाओं को भी स्वास्थ्य के प्रति जगरूक करने का कार्य कर रही है।

नाम : श्रीमती सरस्वती देवी

पति का नाम : विजय पासवान

उम्र : 40 वर्ष

गाँव का नाम : आर. सी. वन

प्रखण्ड : कहलगाँव

श्रीमती कंचन देवी जो आर सी वन की रहने वाली है, जो की खेतीहर मजदूरी का काम करती है। यह साक्षर है अपना नाम और पति का नाम लिख लेती है। श्रीमती सरस्वती देवी गृहणी का काम तथा पशुपालन भी करती है।और इनके पॉच बच्चे है जिसमे तीन लड़की और दो लड़का है।इनके पति का नाम वीजय पासवान पासवान है जो एनटीपीसी प्लांट में काम करते है जिसकी मासिक आय 5000 रूपये लगभग है। इसी आमदनी से इनके परीवार का भरन पोषण होता है।

श्रीमती सरस्वती देवी बताती है कि हम अपने गॉव में जब से दिशा के कार्यक्रम से जुडे है तो हमे बहुत अच्छा लग रहा है, तथा मेरे समूह का नाम गुलाब महिला विकास संगठन है इस ग्रुप में हम कोषाअध्यक्ष हूॅ। हर माह 100 रू. बचत भी करती हुॅ और माह में दो बार बैठक करते है तथा उस पैसे को जमा करने के लिए बैंक में खाता भी खुलवायी हूॅ। दिशा संस्था के माध्यम से हम सिलाई का प्रशिक्षण भी ले रहे है। हमे बहुत सारी चिजों कि जानकारीयॉ भी मिली। हम लोग घर, गॉव से निकल कर कुछ करना चाहते है। दिशा संस्था से जूड़ने के बाद हममे तथा हमारे ग्रुप के सदस्यों में काफी बदलाव भी आयी है। इससे हम बहूत खूश है।

नामः श्रीमती शोभा देवी

उम्र : 35वर्ष

पति का नाम : श्री भोला यादव

गाँव का नाम : ओगरी

लाभार्थी का संक्षिप्त विवरणः–

श्रीमती शोभा देवी जिनका उम्र लगभग 35 वर्ष है ये ओगरी गॉव में रहती है। ये गवाला जाति के यादव समुदाय की सदस्या है। श्रीमती शोभा देवी के इनके 3 बच्चे हैं। श्रीमती शोभा देवी साक्षर है इनका कच्ची मकान है और ये घर में दर्जी का काम करती हैं। इनके पति श्री भोला यादव हैं जो की मजदुर का काम करते हैं। इसी से इनके परिवार का भरन पोषण होता है।

श्रीमती शोभा देवी अपने बारे में कहती है की दिशा संस्था से जुड़कर हमे कई प्रशिक्षण में भाग लेने का मौका मिला।तथा प्रशिक्षण में जाने पर बहुत सी बातो की जानकारी मिली। जिससे की हम काफी प्रसन्न है। तथा हर माह राशी 50रू. बचत करती हुॅ। तथा मेरे समुह में कुल 13 सदस्य है। मैं जब समुह में जुड़ी थी उस समय मैं अपना नाम तक नहीं लिखना जानती थी लेकीन अब दिशा संस्था की सहयोग से मैं अपना नाम पति का नाम और पुरा पता लिखने पढ़ने के लिए सीख गयी। और पहले छोटी छोटी रकम की जरूरत पड़ती थी तो महाजन के पास जाना पड़ता था।

लेकीन अब जरूरत पड़ने पर समूह में बैठक होती है तो उस बैठक में अपना बात रखती हुॅ और उस समूह के सदस्यो से निर्णय लेकर रूपये लेती हुॅ जिसके लिए ब्याज भी कम देनी पड़ती है।उसमे भी मेरा हक है लेक़ीन महाजन के पास ब्याज देती थी।लेकीन अब मैं बहुत खुश हुॅ।अतः मैं अपनी ओर से दिशा संस्था को धन्यवाद देती हुॅ।

नामः श्रीमती सीन्धु देवी

उम्र : 25 वर्ष

पति का नामः श्री पंकज मुसहर

गाँव का नाम : इन्दिरा आवास

श्रीमती सीन्धु देवी जिनका उम्र लगभग 25 वर्ष है ये इन्दिरा आवास आर सी0 वन गॉव में रहती है। ये दलित जाति की के सदस्या है। श्रीमती सीन्धु देवी की अपनी मकान नही है यह एनटीपीसी के अनुदान के रूप में दिये गये घर में रहते है। इनके दो लड़की हैं। दोनो बच्चे छोटे हैं एक लड़की प्रथम वर्ग में पढती है। श्रीमती सीन्धु देवी साक्षर है। ये घर में ही गृहणी का काम करती हैं।इसे अपनी खेती नही है। पति श्री पंकज मुसहरएन टी0पी0सी0 प्लांट में अस्थाई रूप से मजदूर का काम करते हैं इनकी आमदनी लगभग 4500 रू.है।

दिशा संस्था द्वारा आर सी0 वन में स्वयं सहायता समुह का गठन किया गया तो श्रीमती सीन्धु देवी चम्पा महिला संगठन समुह की सदस्या बनी। श्रीमती सीन्धु देवी दिशा के कार्यकताओं को गॉव में समुह बनाने में काफी मदद की तथा गॉव की महिलाओं को स्वंय सहायता समुह से क्या लाभ है इसके बारे में समझाती है अभी वह अपने समुह का बचत खाता इलाहाबाद बैंक में खुलवायी है।वह प्रती माह 100रू. बचत करती है।

श्रीमती सीन्धु देवी यह कहती है कि समुह में जुड़ने से हमे काफी लाभ मिला क्योंकि हमारे छोटे छोटे कामो के लिए समुह के बचत राशिा से काम कर लेते है। इससे यह लाभ होता है कि महाजन के पास नही जाना पडता है। तथा हमारे बच्चे भी दिशा के स्कूल में पढ़ते है और इसके बाद गॉव के सरकारी स्कूल में अपने बच्चे का नामांकन करवायी हूॅ। इससे हम बहुत खुश हूॅ। इसलिए मैं दिशा संस्था को धन्यवाद देती हूॅ।

लाभार्थी का नाम :– श्रीमती इन्दु देवी

पति :– श्री रामजीत पासवान

घर :– इन्दिरा आवास

पंचायत :– सलेमपुर सैनी

श्रीमती इन्दु देवी उम्र लगभग 27 वर्श है। इनके पति का नाम श्री रामजीत पासवान है ये एनटीपीसी प्लांट में काम करते है जिनकी मासीक बेतन 5000 हजार रू. है। यह इन्दिरा आवास (आर सी वन)गॉव की रहने वाले है यह दुसाध जाती की सदस्या है। तथा श्रीमती इन्दु देवी अपने घर का काम करते हुए अपना गाय पालती तथा सिलाई का कार्य करती है। इन्दु देवी को दो लड़का और एक लड़की है।

श्रीमती इन्दु देवी कहती है की हमे घर के कामों से समय नहीं मिलती है। इसलिये किसी से बात चित करने का मौका नहीं मिलता था। केवल अपने कामों में व्यस्त रहती थी। अपने पड़ोसन की सहयोग से दिशा संस्था द्वारा बनाये गये गुलाब महिला विकास संगठन में सदस्य के रूप में जुड़ी। अब हमें इस समूह से जुड़कर बहुत फायदा समझ में आ रही है।

श्रीमती इन्दु देवी कहती है कि पहले मैं समूह में सदस्य के रूप में जुड़ी थी लेकिन इस कार्यक्रम को समझाने के बाद हमने 10 बहनों को समूह के बारे में बताकर, एक समूह का निमार्ण किया। जिसका नाम दुर्गा महिला विकास संगठन रखा गया है तथा इस समूह की मैं श्रीमती इन्दु देवी अध्यक्ष पद के समूह की सम्मती से चुनी गई हूँ।

श्रीमती इन्दु देवी कहती है की दिशा संस्था हमारे गॉव में विकास का काम कर रही है। ताकी महिलायें अपने पैरों पर खड़ी हो सके उन्हें पंरूशो के आगे हाथ फैलाना न पड़े। इसके लिये मैं दिशा संस्था को धन्यवाद देती हूँ।

नामः श्रीमती पींकी देवी

पति का नामः श्री जुगनू मेहतर

अंचलः कहलगॉव

गाँव का नामः एकचारी

श्रीमती पींकी देवी जिनका उम्र लगभग 35 वर्ष है। ये एकचारी ग्राम में रहते है। ये महादलित जाति के मेहतर जाति की सदस्या है। श्रीमती पींकी देवी इनटर पास हैं। इनके 3 बच्चे हैं। ये श्रीमती पींकी देवी पक्की मकान में रहती है। लेकीन ये घर में ही रहती है इनके पास खेती नहीं है। पति श्री जुगनू मेहतर एनटीपीसी में काम करते है। ईसी आमदनी से परिवार का पालन पोषण होता है।श्रीमती पींकी देवी की आर्थिकस्थिती काफी दैनिय है। ईसकी वार्षिक आमदनी लगभग 40000 हजार रूपये है।

दिशा संस्था द्वारा एकचारी गॉव में स्वयं सहायता समुह गठन करने के लिए ग्रामीणो के साथ जनसंपर्क कीया तथा ग्रामीणो के सहयोग से महिलाओं के साथ बैठक किया गया। उस बैठक में श्रीमती पींकी देवी आई उन्होने स्वयं सहायता समुह के बारे में समझी उसके बाद अपने घर जाकर पति श्री जुगनू मेहतर से बात की। दुसरे बैठक गॉव में पुनः किया गया श्रीमती पींकी देवी अपने टोले के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर समुह बनाई उसके बाद वह बचत करने के लिए 50 रूपये प्रती माह बचत करने का निर्णय ली।

श्रीमती पींकी देवी स्वयं सहायता समुह के प्रशिक्षण में भाग ली उसके बाद वे स्वयं सहायता समुह में अन्य सदस्यों को भी जूडने का प्रयास की अब वह समाज के दुसरे समुदाय में भी जाने लगी है। वह कहती है की समुह में जुढ़ने से मुझे काफी लाभ मिला क्योंकि पहले मैं घर से बाहर नहीं जाती थी। अब मैं दुसरे से भी बात कर लेती हूँ।

श्रीमती पींकी देवी यह करती है समूह में जूडने से मुझे व्यक्तिगत लाभ हुआ ,यह है की मैं दुसरे से भी बातचीत कर लेती हूँ। पहले किसी से नहीं मील पाती थी अब मैं बचत भी करने लगी हुं। जिससे मेरी आर्थिकस्थिती ठीक होगा तथा तोजरगार भी करूँगी। यह सब मैं दिशा संस्था के प्रयास से सीख पाई हुं।

नामः श्रीमती ममता देवी

उम्र : 32 वर्ष

पति का नामः स0 अवधेश प्रसाद

गाँव का नाम : आलमपुर

श्रीमती ममता देवी जिनका उम्र लगभग 32 वर्ष है । ये आलमपुर गॉव में रहती है। ममता देवी के तीन बच्चे हैं। दो लडकी एवं एक लडका । इनका घर पक्के का है और इनके पास अपना खेती है। ऐ अपने से मजदुर लगाकर खेती करती है। तथा उसी मजदुरी से अपने बच्चों का पालन पोषण करती है।एवं बच्चे को सरकारी विद्यालय में पढती है। दिशा संस्था द्वारा आलमपुर गॉव में एनटीपीसी के सहयोग नवम्बर 2012 से स्वयं सहायता समुह बनाने का कार्य शुरू किया गया था। तो बैठक में श्रीमती ममता देवी आयी और अच्छी तरह से समझकर और अपने गॉव की अन्य महिलाओं को भी बैठक में बुलायी और समुह बनाने के लिए प्रेरित की । तथा दिसम्बर माह में अपने गॉव टोले के अन्य महिलाओं को भी समझकर श्रीमती ममता देवी ने सरस्वती महिला विकाश संगठन का गठन की और उस समुह की वह अध्यक्ष बनायी गयी ।

श्रीमती ममता देवी ग्रुप में सामील होने के बाद अपने बारे में यह कहती है की मैं विधवा होकर अपने आप को दुखी और कमजोर महसुस करती थी।क्योकी लोहो से बात करने में शरमाती थी।लेकिन जब मैं पंचायत की ओर से आशा कार्यकर्ता के रू॰ में चयन हुई तब मैं अपने वार्ड की महिलाओं से मिलने और उनसे जानकारी लेने लगी , अपना सुझाव देने का मौका मीला और ऐसा करने से हमे लोगो से मिलने का जिज्ञासा बङने लगी। दुसरा मौका हमे दिशा से मिला जो की मैं आज लोगों से मिलना, मलिाओ से बातें करना एवं किसी भी बैठ में खुल कर बोलना आदी जाकारीयॉ मिली। श्रीमती ममता देवी कहती है की मैं जो स्वयं सहायता समुह से जुडने पर महसुस हो रहा है की अब मैं अकेली नहीं हुॅ ? क्योंकी अब हमारे साथ दस घर की महिलाएॅ है आवज देने पर तुरंत साथ हो जाती है। ग्रुप में जो बचत राशी जमा होती है । उससे आर्थीक मदद केलिए कम ब्याज पर ले सकती हुॅ। दिशा संस्था द्वारा स्वास्थ्य के प्रती कार्यक्रम चलाने की बातें बोल रही है उसमे भी मेरी भाहेदारी होगी। यह सब बदलाव हमे देखने मिल रहे हैं।इस बदलाव बे लिए हम दिशा संस्था को धन्यवाद देते हैं।

नाम :– श्रीमती बिन्दु देवी

पति का नाम :– श्री सुधिर ठाकुर

अंचल :– महगामा

गाँव का नाम :– जियाजोरी

जिला :– गोड्डा ,(झारखण्ड)

श्रीमती बिन्दु देवी जिनका उम्र लगभग 45 वर्ष है ये जियाजोरी ग्राम में रहती है। ये अत्यंतपिछड़ी जाति के नाई जाति की सदस्या है। श्रीमती बिन्दु देवी सक्षर हैं। यह अपने घर में अपने बच्चों व पति के साथ रहती है। इनके पति प्राइवेट जॉव करते हैं जिसका मासिक आय 4000 से 5000 रूप्ये है।उसी पैसे से अपने बच्चो का पालन पोषण करते है। श्रीमती शुशिला देवी पास अपनी खेतीहर जमिन नही है।श्रीमती बिन्दु देवी की आर्थिक स्थिती काफी दैनिय है।ईसकी वार्षिक आमदनी लगभग 55000 हजार रूपये है। दि ॥ संस्था दृरा जियाजोरी गॉव में स्वयं सहायता समुह गढ़न करने का का कार्य शुरू किया गया तो श्रीमती बिन्दु देवी दिशा संस्था दृरा फौजदारकित्ता गॉव में स्वयं सहायता समुह के बैठक में भाग ली तथा समुह के बारे में समझी तथा इसके क्या लाभ होगा इसके बारे में भी समझी इसके बाद वह स्वयं अपने टोले में एक समुह बनाई जिसमे 12 सदस्य है।अपने समूह का नाम सरस्वती महिला विकाश संगठन रखी है। श्रीमती बिन्दु देवी उस ग्रुप का अध्यक्ष है।

श्रीमती बिन्दु देवी पहले कभी स्वयं सहायता समुह के बारे में नहीं सुनी थी ।इसके कारण उसे विश्वाश नहीं हो रहा था।जब उसे समुह के बारे अच्छी तरह से से बताया गया की इससे आपका और आपके समाज का उत्थान होगा।तब उन्हे विश्वाश हुआ की समूह से काफी लाभ होगा ।तब स्वंय अपने समुह की नेतृत्व करने लगी है।बैंक हमेशा आती है तथा बैंक प्रबंधक से मिलकर खाता खुलवाने की बात कर रही।

श्रीमती बिन्दु देवी यह करती है कि समुह से काफी लाभ होगा तथा समूह के बचत राशी से रोजगार करूँगी। और इसके लिए अभी से योजना तैयार कर रही हुँ की कौन सा रोजगार करेगे।पहले की अपेक्षा अभी काफी बदलाव आ गया है।पहले मैं मजदुरी करने के अलावे कुछ नही सोच पाती थी ।लेकीन जब से मैं समुह में जूड़ी हुँ तथा प्रशिक्षण प्राप्त की हुँ तब से मैं अपने अधिकार के बारे में जानने लगी हुँ।समुह में जूड़ने से मेरे अंदर काफी बदलाव आया है।इसमे जुड़ने से हमे काफी लाभ मिला है।इससे मैं बहुत खुशी मिल रही है।

नामः श्रीमती पींकी देवी

पति का नामः श्री मनीश पासवान

गाँव का नाम एकचारी

अंचलःकहलगॉव

जिलाः भागलपुर (बिहार)

श्रीमती पींकी देवी जिनका उम्र लगभग 28 वर्श है ये एकचारी ग्राम में रहते है। ये दलित जाति के दुसाध जाति की सदस्या है। श्रीमती पींकी देवी इनटर पास हैं । इनके एक बच्चे हैं । ये श्रीमती पींकी देवी फुस के मकान में रहती है । लेकीन ये घर में ही रहती है । इनके पास खेती नहीं है । पति श्री मनीश पासवान पंचायत प्रतीनीधियों के साथ मिलकर एजेन्ट का काम करते है। ईसी आमदनी से परिवार का पालन पोशण होता हेा श्रीमती पींकी देवी की आर्थिकस्थिती काफी दैनिय है । ईसकी वार्शिक आमदनी लगभग 18000 हजार रूपये है।

दिशा संस्था दृरा एकचारी गॉव में स्वयं सहायता समुह गढ़न करने के लिए गृामीणो के साथ जनसंपर्क कीया । तथा गृामीणो के सहयोग से महिलाओं के साथ बैठक किया गया । उस बैठक में श्रीमती पींकी देवी आई । उन्होने स्वयं सहायता समुह के बारे में समझी इसके बाद वह समुह बनाने कम लिए अपने घर जाकर पति श्री मनीश पासवान से बात की। दुसरे बैठक गॉव में पुनः किया गया । श्रीमती पींकी देवी अपने टोले के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर समुह बनाई । उसके बाद वह बचत करने के लिए 50 रूपये पर महिना बचत करने का निर्णय ली ।

श्रीमती पींकी देवी स्वयं सहायता समुह के प्रशिक्षण में भाग ली । उसके बाद वे स्वयं सहायता समुह में अन्य सदस्यों को भी जूडने प्रयास की । अब वह समाज के दुसरे समुदाय में भी जाने लगी है । वह कहती है की समुह में जुढ़ने से मुझे काफी लाभ मिला । क्योंकि पहले मैं घर से बाहर नहीं जाती थी । अब मैं दुसरे से भी बात कर लेती हूँ । श्रीमती पींकी देवी स्वास्थ्य कार्यकता के प्रशिक्षण भी प्राप्त की है । वे अपने गॉव में दुसरे महिलाओं को स्वास्थ्य के बारे में बताती है । श्रीमती पींकी देवी यह करती है समूह में जूडने से मुझे व्यक्तिगत लाभ यह है की मैं दुसरे से भी बातचीत कर लेती हूँ । पहले किसी से नहीं मील पाती थी । अब मैं बाचत भी करने लगी हुँ । जिससे मेरी आर्थिकस्थिती ठीक होगा तथा तोजरगार भी करूँगी । यह सब मैं दिशा संस्था के प्रयास से सीख पाई हुँ ।

नामः श्रीमती : शुशिला देवी

पति का नाम : स्व0 ब्रह्मदेव मंडल

अंचलःकहलगॉव

गाँव का नाम एकचारी

श्रीमती शुशिला देवी जिनका उम्र लगभग 40 वर्ष है ये एकचारी ग्राम में रहती है। ये पिछड़ी जाति के कुर्मी जाति की सदस्या है। श्रीमती शुशिला देवी पॉचवीं कक्षा तक पढ़ी लिखी हैं। यह ईंट के दो कमरे में अपने बच्चों के साथ रहती है। इनके चार लड़कीयॉ है सभी बच्चे पढ़े लिखे है। इनके पति के मृत्यु के बाद स्वंय अपने बच्चो का पालन पोषण कर रही है। श्रीमती शुशिला देवी पास अपनी खेतीहर ज़मिन नही है।यह स्वंय सब्जी बेचती श्रीमती शुशिला देवी की आर्थिक स्थिती काफी दैनिय है, ईसकी वार्षिक आमदनी लगभग 20000 हजार रूपये है।

दिशा संस्था दृरा एकचारी गॉव में स्वयं सहायता समुह गढ़न करने का का कार्य शुरू किया गया तो श्रीमती शुशिला देवी दिशा संस्था दृरा एकचारी गॉव में स्वयं सहायता समुह के बैठक में भाग ली तथा समुह के बारे में समझी तथा इसके क्या लाभ होगा इसके बारे में भी समझी इसके बाद वह स्वयं अपने टोले में एक समुह बनाई जिसमे 15 सदस्य है।अपने सनुह का नाम कमल महिला विकाश संगठन रखी है। श्रीमती शुशिला देवी उस ग्रुप का सचिव है।

श्रीमती शुशिला देवी पहले कभी स्वयं सहायता समुह के बारे में नहीं सुनी थी ।इसके कारण उसे विश्वाश नहीं हो रहा था । जब उनके समुह का बचत खाता खुलवाने के लिए यूको बैंक एकचारी शाखा गई तो उन्हे विश्वाश हुआ की सूह से काफी लाभ होगा ।अब स्वंय अपने समुह की नेतृत्व करने लगी है।बैंक हमेशा आती है।तथा बैंक प्रबंधक से मिलकर खाता खुलवाने के लिए दबाव दि। अंत में इनके कहने पर बैंक में इनकी बचत राशी जमा हो गया ।

श्रीमती शुशिला देवी यह करती है कि समुह से काफी लाभ होगा समूह के बचत राशी से रोजगार करूँगी इसके लिए अभी से योजना तैयार कर रही हुं की कौन सा काम करूँगी पहले की अपेक्षा मेरे में काफी बदलाव हो गया है।पहले मैं मजदुरी करने के अलावे कुछ नही सोच पाती थी । लेकीन जब से मैं समुह में जूड़ी हुं तथा प्रशिक्षण प्राप्त की हुं तब से मैं अपने अधिकार के बारे में जानने लगी हुं।समुह में जूड़ने से मेरे अंदर काफी बदलाव आया है। इसमे जुड़ने से हमे काफी लाभ मिला है।

नाम : श्रीमती सरस्वती देवी

पति का नाम : विजय पासवान

उम्र : 40 वर्ष

शिक्षा : साक्षर

प्रखण्ड : कहलगाँव

गाँव का नाम : आर. सी. वन

श्रीमती कंचन देवी जो आर सी वन की रहने वाली है, जो की खेतीहर मजदूरी का काम करती है। यह साक्षर है अपना नाम और पति का नाम लिख लेती है। श्रीमती सरस्वती देवी गृहणी का काम तथा पशुपालन भी करती है।और इनके पॉच बच्चे है जिसमे तीन लड़की और दो लड़का है।इनके पति का नाम वीजय पासवान पासवान है जो एनटीपीसी प्लांट में काम करते है जिसकी मासिक आय 5000 रूपये लगभग है। इसी आमदनी से इनके परीवार का भरन पोषण होता है।

श्रीमती सरस्वती देवी बताती है कि हम अपने गॉव में जब से दिशा के कार्यक्रम से जुडे है तो हमे बहुत अच्छा लग रहा है, तथा मेरे समूह का नाम गुलाब महिला विकास संगठन है इस ग्रुप में हम कोषाअध्यक्ष हूँ। हर माह 100 रू. बचत भी करती हुँ और माह में दो बार बैठक करते है तथा उस पैसे को जमा करने के लिए बैंक में खाता भी खुलवायी हूँ। दिशा संस्था के माध्यम से हम सिलाई का प्रशिक्षण भी ले रहे है। हमे बहुत सारी चिजों कि जानकारीयॉ भी मिली। हम लोग घर , गॉव से निकल कर कुछ करना चाहते है। दिशा संस्था से जूड़ने के बाद हममे तथा हमारे ग्रुप के सदस्यों में काफी बदलाव भी आयी है। इससे हम बहूत खूश है।

नामः श्रीमती सुलेखा देवी

उम्र : 27 वर्ष

पति का नामः श्री कैलाश पासवान

गाँव का नाम : इन्दिरा आवास

अंचल :– कहलगॉव

श्रीमती सुलेखा देवी जिनका उम्र लगभग 27 वर्ष है यह इन्दिरा आवास आर सी0 वन गॉव में रहती है। ये दलित जाति की दुसाध जाति के सदस्या है।जो की चमेली स्वंय सहायता समूह से जुड़ी है। श्रीमती सुलेखा देवी के पति श्री कैलाश पासवान एनटीपीसी प्लांट में अस्थाई रूप से काम करते हैं। श्रीमती सुलेखा देवी कहती है की जनवरी से मैं दिशा की कार्यकर्ता को समझते एवं देखते हुए समूह में जुड़ी तथा इतने दिनो में दिशा संस्था क्षरा गॉव में विकास का काम बहुत हुआ।सबसे पहले महिलाओ को ट्रेनिंग देकर जागरूक किया , बच्चों को पढ़ाने के लिए स्कूल चलाया जा रहा है तथा महिलाओ को रोजगार से जाड़ने के लिए सिलाई , कढ़ाई सिखाने का सेंटर चलाया जा रहा है।

श्रीमती सुलेखा देवी कहती है की मैं जून माह से दिशा द्वारा चलाया जा रहा सिलाई सेंटर में प्रक्षिण लेने के लिए नाम लिखवाई और राज नियमित सेंटर पर जाकर सिलाई का काम सिखी ।आज मैं पेटीकोट , ब्लाउज , फ्रॉक , समीज , सलवार , अन्य कपड़ काटने के लिए और सीने के लिए सिख गई।इस लिए मैं अपनी ओर से दिशा संस्था से आग्रह करती हुॅ की आपने जो महिलाओ को आगे बढ़ाने के लिए जो यह काम करते हैं उस काम के लिए मैं धन्यवाद देती हुॅ।

नामः श्रीमती तेतरी देवी

उम्र : 42 वर्ष

पति का नामः श्री मंगल महलदार

गाँव का नाम : ओगरी

श्रीमती तेतरी देवी जिनका उम्र लगभग 42 वर्ष है ये ओगरी गॉव में रहती है। ये दलित जाति की महलदार समुदाय की सदस्या है। श्रीमती तेतरी देवी के इनके 4 बच्चे हैं। श्रीमती तेतरी देवी साक्षर है। ये घर का काम करती हैं। इनके पति श्री मंगल महलदार एनटीपीसी में मजदुर का काम करते हैं।

श्रीमती तेतरी देवी कहती है की दिशा संस्था की सहयोग से समुह में से जुड़ी और हर माह 100रू. प्रती माह बचत करती हुॅ। तथा मेरे समुह में कुल 13 सदस्य है। मैं जब समुह में जुड़ी थी उस समय मैं अपना नाम तक नहीं लिखना जानती थी लेकीन अब दिशा संस्था की सहयोग से मैं अपना नाम पति का नाम और पुरा पता लिखने पढ़ने के लिए सीख गयी। और पहले छोटी छोटी रकम की जरूरत पड़ती थी तो महाजन के पास जाना पड़ता था।

लेकीन अब जरूरत पड़ने पर समूह में बैठक होती है तो उस बैठक में अपना बात रखती हुॅ और उस समूह के सदस्यो से निर्णय लेकर रूपये लेती हुॅ जिसके लिए ब्याज भी कम देनी पड़ती है।उसमे भी मेरा हक है लेकीन महाजन के पास ब्याज देती थी।लेकीन अब मैं बहुत खुश हुॅ। अतः मैं अपनी ओर से दिशा संस्था को धन्यवाद देती हुॅ।

नामः श्रीमती उषा देवी

उम्र : 40 वर्ष

पति का नामः श्री प्रदिप यादव

गाँव का नामः ओगरी

श्रीमती उषा देवी जिनका उम्र लगभग 40 वर्ष है ये ओगरी गॉव में रहती है। ये गवाला जाति के यादव समुदाय की सदस्या है। श्रीमती उषा देवी के 3 बच्चे हैं। श्रीमती उषा देवी घर का काम करती हैं ये कच्ची मकान में रहती हैं।इनके पति श्री प्रदिप यादव जो की खेती करते है। इसी आमदनी से ही इनके पविार का भरण पोषण होता है।

श्रीमती विणा देवी अपने बारे में बताती है की दिशा संस्था द्वारा मैं अपना नाम और पति का नाम लिखने, पढ़ने के लिए सीखी। साथ ही गॉव में बैठक करने पर हमारे अंदर आत्मविश्वास जगी। दिशा संस्था द्वारा दिये गये प्रशिक्षण में जाने पर नरेगा से मिलने वाले रोजगार इत्यादी के बारे में जान पाई हुॅ। ये सब काम से मैं बहुत खुश हुॅ। अतः मैं दिशा संस्था को धन्यवाद देती हुॅ।

नामः श्रीमती विणा देवी

उम्र : 38 वर्ष

पति का नामः श्री राकेश यादव

गाँव का नाम : ओगरी

लाभार्थी का संक्षिप्त विवरण :–

श्रीमती विणा देवी जिनका उम्र लगभग 38 वर्ष है ये ओगरी गॉव में रहती है। ये गवाला जाति के यादव समुदाय की सदस्या है। श्रीमती विणा देवी के 2 बच्चे हैं ये पक्के की मकान में रहती हैं।इनके पति श्री राकेश यादव एन.टी.पी.सी. में पहरेदार का काम करते हैं। श्रीमती विणा देवी घर का काम करती हैं। .

श्रीमती विणा देवी कहती है की दिशा संस्था की सहयोग से स्वंय सहायता समूह में जुड़ी और 50रू. प्रती माह बचत करती हुॅ। तथा मेरे समुह में कुल 13 सदस्य है। मैं जब समुह में जुड़ी थी उस समय मैं अपना नाम तक नहीं लिखना जानती थी लेकीन अब दिशा संस्था की सहयोग से मैं अपना नाम और पति का नाम लिखने, पढ़ने के लिए सीख गयें। पहले कुछ पैसो की जरूरत पड़ती थी तो महाजन के पास जाना पड़ता था। लेकीन अब जरूरत पड़ने पर समूह में बैठक होती है तो उस बैठक में अपना बात रखती हुॅ और उस समूह के सदस्यो से निर्णय लेकर पैसे ले लेती हुॅ। इसमे ब्याज भी कम देनी पड़ती है।उसमे भी मेरा हक बनी रहती है। ये सब काम से मैं बहुत खुश हुॅ। अतः मैं दिशा संस्था को धन्यवाद देती हुॅ।